Prepp
Your Personal Exams Guide

Total No. of Printed Pages — 2

440008

CCSME23

PAPER / पत्र – II

NAGPURI LANGUAGE AND LITERATURE

नागपुरी भाषा एवं साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 11

Full Marks : 150 **Time : 3 Hours**

पूर्णांक : 150 **समय : 3 घण्टे**

निर्देश :

(i) कुल **छव** ठो सवाल कर जबाब देउ। प्रश्न सं. **1** आउर **5** अनिवार्य हय।

(ii) हरेक खंड से **1** आउर **5** अनिवार्य सवाल कर अलावे कम से कम **एक** ठो सवाल कर जबाब एक खंड से देवेक जरूरी हय।

खण्ड—'क'

1. हेंठे देल सवालमन में से कोनो **पाँच** ठो सवाल कर जबाब संक्षेप में लिखु : **7×5=35**

(क) नागपुरी भासा कर बिसेसता उपरे चरचा करु।

(ख) नागपुरी में 'कारक' कर भेद के उदाहरन संगे लिखु।

(ग) संगेया (संत) कर परिभासा देउ आउर उकर भेद के उदाहरन देइके बताउ?

(घ) नागपुरी लोकगीत कर बिसेसता के बताते कोनो एक ठो लोकगीत के लिखु।

(ङ) नागपुरी कर फगुआ राग कर बारे में लिखु।

(च) नागपुरी लोकगीतों में परकिरिति चितरन (प्रकृति चित्रण) उपरे चरचा करु।

(छ) बुझवइल का हेके? कोनो पाँच ठो बुझवइल के उकर अरथ संगे लिखु।

2. नागपुरी साहित कर काल विभाजन कइसे करल जाय हय? बरनन करु। **20**

3. मंतर का होवेल? कोनवे दूइ ठो बरन कर अंतर के लिखु। **20**

4. नागपुरी नाटक कर उद्‌भव आउर बिकास उपरे चरचा करु। **20**

Marks
अंक

खण्ड—'ख'

5. हेंठे देल सवालमन में से कोनो **पाँच** ठो सवाल कर जबाब संक्षेप में लिखु : 7×5=35

(क) कृष्ण प्रसाद साहु 'कलाधर' कर किरितिमनक चरचा आपन सब्द में करु।

(ख) मधु मंसूरी 'हसमुँख' कर कोनो एक ठो गीत कर आसय लिखु।

(ग) नागपुरी कवि कंचन कर जीवन परिचय देऊ।

(घ) "फा० पीटर शास्त्री नवरंगी" इया "लाल रणविजय नाथ शाहदेव" कर जीवन परिचय देते किरितिमनक चरचा करु।

(ङ) बंगला झूमइर लोकनृत्य उपरे चरचा करु।

(च) करम परब कर महानम उपरे चरचा करु।

(छ) हेंठे देल गद्यांस कर नागपुरी में अनुवाद करु :

नागपुरी लोक और शिष्ट साहित्य : नागपुरी लोकसाहित्य का संकलन और प्रकाशन नहीं के बराबर हुआ है जबकि शिष्ट साहित्य का प्रकाशन बराबर हो रहा है। नागपुरी लोकसाहित्य आज भी मौखिक रूप में ही प्राप्य है। ग्रामीण जन द्वारा रचित होने के कारण लोकसाहित्य की भाषा स्वतंत्र एवं जीवन्त है। परन्तु इस पर शास्त्रीयता का अंकुश नहीं है। लोकसाहित्य के रचनाकारों के नाम ज्ञात नहीं हैं। निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि नागपुरी लोकसाहित्य किसी प्रकार के नियमों के बन्धनों से मुक्त विस्तृत परिधि वाली स्वच्छंद गति से प्रवाहित एक धारा है। जबकि नागपुरी शिष्ट साहित्य चुने हुए कुछ भावों को लेकर सजायी-संवारी हुई एक बंधी नहर है, जिसे स्वतंत्र रूप से बहने की स्वतंत्रता नहीं।

6. शारदा प्रसाद शर्मा कर जीवन परिचय देते उनकर किरितिमनक बरनन करु। 20

7. डॉ० गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज' कर जीवन परिचय देते उनकर रचनामनक चरचा करु। 20

8. 'सोहराय कला' इया पारम्परिक वाद्य-जंतर (यंत्र) बाँसुरी, मांदर, ढोल, नगेड़ा में कोनो दूइ ठो उपरे निबंध लिखु। 20

★★★